बिखकर

सांसद पप्पू यादव बेऊर जेल भेजे गए

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
पटना, 9 फरवरी- सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को रविवार की दोपहर पीएमसीएच के कैदी वार्ड से बेऊर जेल भेज दिया गया. डॉक्टरों की टीम ने उनका स्वास्थ्य जांच के बाद भर्ती योग्य नहीं पाया.जेल भेजे जाने से पहले डॉक्टरों की टीम ने सेहत सामान्य पाया. बीपी बढ़ा हुआ है पर इसकी नियमित दवा ले रहे हैं. खतरे की बात नहीं है. सीने और पीठ में दर्द होने पर उनका उपचार किया गया तथा जरूरी दवाएं दे दी गई हैं.जेल में भी डॉक्टर ख्याल रखेंगे. पीएमसीएच के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें डिस्चार्ज करने की सलाह दी थी.

किसी और लड़की से संबंध नहीं : तेज प्रताप

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
पटना, 9 फरवरी-जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि मेरा तलाक का मामला कोर्ट में है. ऐसे में मैं दूसरी शादी की बात सोच भी नहीं सकता.मेरा किसी और लड़की से कोई संबंध नहीं है. रविवार की रात पत्रकारों से बातचीत में तेज प्रताप ने कहा कि राजद के जयचंद मेरी छवि खराब करना चाह रहे हैं.पांच लोगों के नाम गिनाते हुए कहा कि मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है.

केंद्र के वकीलों की फीस में इजाफा

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 9 फरवरी-केंद्र सरकार की ओर से अदालतों में प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों की फीस में लगभग 11 साल बाद बढ़ोतरी की गई है.कानून मंत्रालय ने इस संबंध में पांच फरवरी को एक अधिसूचना जारी की.नियमित अपील और अंतिम सुनवाई पर बचाव के लिए पेश होने वाले ए समूह के वकीलों को हर मामले पर प्रति दिन 21,600 रुपये मिलेंगे.बी और सी समूह के वकीलों को 14,400 रुपये मिलेंगे.

रूस ने यूक्रेन पर हवाई हमले किए

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
कीव, 9 फरवरी-रूस ने रविवार को यूक्रेन के क्रामाटोर्स्क शहर में हवाई हमले किए, जसमें कई इमारतों को नुकसान पहुंचा. हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई. उधर, रूस ने यूक्रेन के पोल्टावा क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना पर भी हमला किया. ये हमले ऐसे समय किए गए, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि ट्रंप ने रूस को युद्ध रोकने के लिए जून तक की समय सीमा दी है.

एक करोड़ स्कूली बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 9 फरवरी- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने देश के 83000 स्कूलों में एक करोड़ बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट पूरा कर लिया है.पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के आधार नामांकन कराए जा सकते हैं, पर इनके फिंगरप्रिंट और आइरिस (आंखों की पुतलियां) के बायोमेट्रिक पांच साल के बाद ही विकसित होते हैं.ऐसे में पांच और 15 वर्ष की उम्र के बाद इन्हें अपडेट कराना जरूरी है.

शरद और सुप्रिया की आतुरता के बीच सुनेत्रा ने साधी चुप्पी

अधर में लटका एनसीपी विलय का मामला

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
मुंबई, 9 फरवरी-अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के बाद एनसीसी के विलय का मामला फिलहाल अधर में लटक गया है. नई परिस्थितियों में शरद पवार परिवार में विलय के लिए जरूरत आतुरता दिख रही है, मगर अजित परिवार में डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार समेत अन्य सदस्यों ने चुप्पी साध ली है. पहले विलय पर सहमत दिख रही भाजपा नई परिस्थितियों में जल्दबाजी में नहीं है तो एनसीपी में परिवार के इतर बिग फोर मसलन प्रफुल्ल पटेल, धनंजन मुंडे, छगन भुजबल और सुनील तटकरे विलय के विरोध में हैं.

गौरतलब है कि निधन से पहले अजित ने एनसीपी विलय का रोडमैप करीब-करीब तैयार कर लिया था. इस रोडमैप के मुताबिक एनसीपी

(शरद) के मुखिया को राज्यसभा का एक और कार्यकाल दिया जाना था, जबकि सुप्रिया सुले को मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना था. संयुक्त पार्टी की कमान दिवंगत अजित पवार को संभालनी थी, जबकि शरद पार्टी में मुख्य सलाहकार की भूमिका में आने वाले थे.

बोलती खबरें
खबरें सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें.

क्या है सुनेत्रा पवार की योजना?

विलय के संदर्भ में बिग फोर में शामिल एक वरिष्ठ नेता ने सवाल किया कि इसकी जरूरत क्या है? इससे एनसीपी को क्या मिलने वाला है? उनका कहना था कि अजित के रहते परिस्थिति दूसरी थी. उन्हें ही विलय के बाद संयुक्त पार्टी की कमान संभालनी थी. अब चूंकि अजित नहीं हैं, ऐसे में इस विलय का एनसीपी को कोई लाभ नहीं मिलेगा. सूत्रों का कहना है कि बिना देरी किए डिप्टी सीएम का पद संभालने के बाद सुनेत्रा की योजना अब जल्द ही एनसीपी के संगठन की कमान भी हासिल करने की है.

इसलिए लटका मामला

पहले विलय हो जाने की स्थिति में भले ही सुप्रिया सुले केंद्रीय मंत्री बन जाती, मगर शरद के सलाहकार की भूमिका में आने से संगठन की कमान दिवंगत अजीत के पास होती. अब नई परिस्थिति में भले ही दिवंगत अजीत की पत्नी सुनेत्रा डिप्टी सीएम बन गई हैं, मगर संगठन का झुकाव शरद और सुप्रिया की ओर हो जाने का खतरा था. फिर अजीते के न रहने से विलय के बाद सबसे अधिक समस्या बिग फोर के लिए होती. इनके लिए नई परिस्थितियों से तालमेल बैठाना आसान नहीं होता.

इंतजार करेगी भाजपा

नई परिस्थिति में भाजपा विलय के मामले में इंतजार करना चाहती है. दरअसल केंद्र में नायडू-नीतीश ने अब तक मोदी सरकार के लिए कोई अड़चन पैदा नहीं की है.यह ठीक है कि विलय के बाद केंद्र में समर्थन के लिए भाजपा को अतिरिक्त 8 सांसद मिल जाएंगे, मगर आशंका इस बात की भी है कि संगठन की कमान अगर शरद परिवार के पास गई तो उसके साथ तालमेल बैठाना मुश्किल हो सकता है.

स्पा सेंटर : मनपा को लाइसेंस देने का अधिकार नहीं

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
मुंबई, 9 फरवरी-महाराष्ट्र राज्य में स्पा सेंटरों को लेकर कानून की स्थिति में सूचना अधिकार कार्यकर्ता और लॉ स्टूडेंट रूपेश रविढोने को सूचना अधिकार कानून के तहत प्राप्त लिखित जवाब मिला है कि महाराष्ट्र मनपा अधिनियम की धारा 376 के अंतर्गत किसी भी मनपा को स्पा सेंटरों को लाइसेंस या अनुमति देने का अधिकार नहीं है.

इसी के चलते उन्होंने राज्य सरकार स्तर पर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना भेदभाव सख्त कार्रवाई की मांग की है.रूपेश रविढोने द्वारा मांगी गई जानकारी पर नवी मुंबई मनपा लाइसेंस विभाग के तत्कालीन अधीक्षक तात्यासाहेब गायकवाड द्वारा दिए गए जानकारी में स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र किसी भी मनपा को

आरटीआई में बड़ा खुलासा

स्पा सेंटरों को लाइसेंस या अनुमति देने का अधिकार नहीं है.

रूपेश रविढोने ने मुख्यमंत्री समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर शिकायत की है कि मुंबई शहर में जगह जगह पर मसाज की आड़ में अनैतिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है.

मसाज की आड़ में अनैतिक गतिविधियों संचालित

रूपेश रविढोने ने मुख्यमंत्री समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर शिकायत की है कि मुंबई शहर में जगह-जगह पर मसाज की आड़ में अनैतिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है. कुछ मामलों में नाबालिग लड़कियों के शोषण और अवैध देह व्यापार के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं.

बुजुर्ग को इंसाफ पिता की उपेक्षा पर गिफ्ट डीड रद्द

बेटियों ने किया भरोसे का दुरुपयोग

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
बेंगलूरु, 9 फरवरी- कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक 84 वर्षीय बुजुर्ग को राहत देते हुए उनकी दो बेटियों के नाम की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द कर दिया. अदालत ने माना कि संपत्ति लेने के बाद बेटियों ने पिता की देखभाल नहीं की और भरोसे का दुरुपयोग किया.जस्टिस सूरज गोविंदराज ने कहा कि तुमकुरु तहसील में दो एकड़ से अधिक जमीन का हस्तांतरण मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटिजंस एक्ट, 2007 की धारा 23 के तहत रद्द किया जा सकता है.

अदालत ने माना कि बेटियों ने पिता को भोजन, आवास और देखभाल देने के आश्वासन पर संपत्ति ली थी, लेकिन उसे निभाया नहीं, कोर्ट ने यह तर्क खारिज कर दिया कि गिफ्ट डीड में देखभाल की शर्त नहीं थी. कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक पारिवारिक भरोसे पर संपत्ति ट्रांसफर करते हैं. अदालत ने नाती के दावे को भी खारिज करते हुए राजस्व रिकॉर्ड में बुजुर्ग का नाम दोबारा दर्ज करने का आदेश दिया.

माता वैष्णो देवी आध्यात्मिक केंद्र बनाने को मिली मंजूरी

श्राइन बोर्ड ने प्रति यात्री बीमा कवर 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने का फैसला

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
जम्मू, 9 फरवरी-श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने रविवार को तीर्थ स्थल और आसपास के क्षेत्र को देश के अग्रणी आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कई अहम पहलों को मंजूरी दी.

बोर्ड ने श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने और यात्रा अनुभव बेहतर करने के लिए एक समिति भी गठित की है, जो अपनी सिफारिशें बोर्ड को सौंपेगी. ये फैसले जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए.

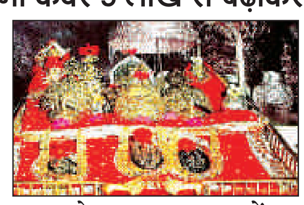

प्रवक्ता के अनुसार, इन कदमों का उद्देश्य तीर्थ क्षेत्र को अधिक आधुनिक, सुविधाजनक और आकर्षक बनाना है.बोर्ड ने माता की आध्यात्मिक विरासत पर आधारित अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय, आधुनिक प्रकाश एवं ध्वनि कार्यक्रम और माता वैष्णो देवी पर एक वृत्तचित्र तैयार करने की मंजूरी दी है.रिक्त पदों को भरने का भी निर्णय लिया गया है, जिसके लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी.आसपास के क्षेत्रों के युवाओं हेतु निःशुल्क चिकित्सा प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग केंद्र स्थापित किए जाएंगे. श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने प्रति यात्री बीमा कवर 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने का फैसला किया है. इसके साथ, श्रद्धालुओं के लिए सूखे मेवे, पवित्र प्रतीक अंकित सिक्का और मौली युक्त नया प्रसाद पैक शुरू किया गया, जिसे निशुल्क वितरित किया जाएगा.

बिटकॉइन ब्लंडर : क्रिप्टो एक्सचेंज से हुई गलती से 700 लोग बने अरबपति

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
सोल, 9 फरवरी- दक्षिण कोरिया के दूसरे सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज 'बिथंब' से हुई एक छोटी सी चूक ने दुनिया का सबसे बड़ा 'क्रिप्टो करेंसी ब्लंडर ' कर दिया. मामला एक प्रमोशनल इवेंट का है.

एक्सचेज अपने 700 लकी ग्राहकों में से प्रत्येक को इनाम के तौर पर 2,000 कोरियन वॉन (125 रुपए) भेजने वाला था, गलती से 'वॉन' की जगह 2000 'बिटकॉइन' (1,600 करोड़ रुपए) चले गए. एक बिटकॉइन करीब 80 लाख रुपए का था. जैसे ही ग्राहकों ने वॉलेट देखा, कुछ ने तुरंत बिटकॉइन्स बेचना शुरू कर दिया. हालांकि, कंपनी का दावा है कि 5 मिनट के भीतर लेन-देन और

एक बिटकॉइन 80 लाख के करीब था

निकासी पर रोक लगा दी गई और गलती से भेजे 99.7% बिटकॉइन भी हासिल कर लिए गए. हालांकि, यह चूक इतिहास में दर्ज हो गई है.

आयुष से जुड़े फुट रिफ्लेक्सोलॉजी- सांसद सुधा मूर्ति

नई दिल्ली,एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार, 9 फरवरी- राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने फुट रिफ्लेक्सोलॉजी को आयुष प्रणाली में शामिल करने की मांग की है.यदि समय रहते पैर के संवेदनशील बिंदुओं के जरिए इसकी पहचान कर ली जाए, तो उपचार संभव है. आयुष में प्रभावी गैर आक्रामक और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में इसकी देखभाल के लिए पर्याप्त प्रावधान है. उन्होंने बताया कि एशिया के कई देश जैसे थाईलैंड, इंडोनेशिया, लाओस, वियतनाम में व्यापक रूप से मसाज चिकित्सा पद्धति को अपनाया जाता है.

'कांग्रेस जमात-ए-इस्लामी को संरक्षण दे रही'

कासरगोड,एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार, 9 फरवरी-केरल में माकपा और कांग्रेस के बीच जमात-ए-इस्लामी को लेकर तीखी बहस छिड़ गई. माकपा की प्रदेश इकाई के सचिव एम.वी. गोविंदन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने यह रुख अपना लिया है कि जमात-ए-इस्लामी कोई सांप्रदायिक ताकत नहीं है, वह इसे संरक्षण दे रही है. वहीं, विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान ने माकपा पर संगठन के साथ अपने लंबे जुड़ाव को जानबूझकर 'भूलने' का आरोप लगाया.

ईरान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता को सजा

तेहरान,एजेंसी/प्रतिदिन अखबार, 9 फरवरी- ईरान में रविवार को नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को छह साल की सजा सुनाई गई. उनके वकील ने सजा की पुष्टि की है. मोहम्मदी को अपराध के लिए एकत्र होने और साजिश रचने का दोषी पाया गया.उनके देश छोड़ने पर भी दो वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है. मोहम्मदी को दो साल के लिए पूर्वी प्रांत दक्षिण खोरासान के खोसफ शहर में निर्वासित किया जाएगा.

देश के 17 राज्यों तक सिमटे गिद्ध, 70 प्रतिशत पुराने बसेरे खत्म

डब्ल्यूआईआई ने किया अब तक का सबसे बड़ा अध्ययन

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
देहरादून, 9 फरवरी- प्रकृति के सबसे बड़े सफाई कर्मी गिद्धों का अस्तित्व संकट में है. गिद्ध महज 17 राज्यों तक सिमट कर रह गए हैं, इनमें भी 70 प्रतिशत गिद्ध आबादी मध्य प्रदेश और राजस्थान में ही पाई गई है. चौंकाने वाली बात यह भी रही कि गिद्धों के 70 प्रतिशत पुराने बसेरे खत्म हो चुके हैं. अस्तित्व के लिए लड़ रहे गिद्धों की नई तस्वीर भारतीय वन्यजीव संस्थान के अध्ययन में सामने आई हैं

भारत में गिद्धों (इंडियन गिद्ध, व्हाइट- रंप्ड गिद्ध, स्लेंडर - बिल्ड गिद्ध और रेड- हेडेड गिद्ध) की स्थिति को लेकर पहली बार अखिल भारतीय स्तर पर वैज्ञानिक आकलन किया गया है. वर्ष 2023 से 2025 के बीच किए गए इस अध्ययन में देश के 25 राज्यों को शामिल किया गया, लेकिन, वास्तविक रूप से सिर्फ 17 राज्यों में ही गिद्धों का प्रजनन (घोंसले) पाया गया. रिपोर्ट के अनुसार, देश में गिद्धों के करीब 70-72 प्रतिशत पुराने घोंसला स्थल पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं, जो बचे हैं, वे भी छोटे-छोटे इलाकों तक सीमित हैं. ज्यादातर संरक्षित वन क्षेत्रों पर निर्भर हैं, वहीं, 09 राज्य ऐसे पाए गए, जहां गिद्धों के ऐतिहासिक

रिकार्ड होने के बावजूद आज संख्या शून्य है. देश में मध्य प्रदेश और राजस्थान ही ऐसे राज्य हैं, जहां गिद्धों के गढ़ बने हैं. मध्य प्रदेश में इंडियन गिद्ध के ही सिर्फ 715 घोंसले हैं. पन्ना, सतपुड़ा, बांधवगढ़, कूनो और गांधी सागर जैसे टाइगर रिजर्व में इनकी बड़ी संख्या है. राजस्थान में इंडियन गिद्ध के 352 घोंसले हैं. रणथंभौर, मुकुंदरा हिल्स, सरिस्का, डेजर्ट नेशनल पार्क में व्हाइट- रंप्ड गिद्ध के भी कई छोटे समूह हैं. शव डंपिंग साइट्स पर हजारों प्रवासी गिद्ध की भी मौजूदगी दर्ज की गई है. हिमाचल व्हाइट- रंप्ड प्रजाति के गिद्धों का सबसे बड़ा घर है. छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र में इंडियन और व्हाइट-रंप्ड दोनों प्रजातियां हैं, उप्र में 71 इंडियन गिद्ध घोंसले हैं. असम में स्लेंडर- बिल्ड गिद्ध संकट में हैं, इनकी प्रजनन दर गिर रही है. गुजरात, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु उत्तराखंड में गिद्धों की मौजूदगी है.: भारतीय वन्यजीव संस्थान के विज्ञानियों के आवारा कुत्ते चट कर रहे गिद्धों का भोजन, खतरे में मानव स्वास्थ्य अनुसार गिद्ध इसलिए प्रकृति के सबसे बड़े सफाई कर्मी हैं, क्योंकि यह मरे हुए जानवरों को तेजी से खाकर बीमारियों, सड़न और बैक्टीरिया के फैलाव को रोकते हैं.

शहरी क्षेत्रों और छोटे कस्बों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या भी गिद्धों के जीवन पर भारी पड़ रही हैं. आवारा कुत्ते गिद्धों का भोजन चट कर जा रहे हैं. इन राज्यों में पूरी तरह गायब हो चुके गिद्ध- बिहार, दिल्ली, हरियाणा, गोवा, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में गिद्ध पूरी तरह गायब हो चुके हैं.

शादी के झूठे वादे पर रेप की सजा कायम

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
कोलकाता, 9 फरवरी- कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शादी का झूठा वादा कर दुष्कर्म के दोषी की सजा बरकरार रखी है. अदालत ने कहा कि इसे सहमति नहीं माना जा सकता और उसे अपने गलत काम का नतीजा भुगतना ही होगा.आरोपी को 2014 में मुर्शिदाबाद जिले की कंडी सेशंस कोर्ट ने दुष्कर्म का दोषी ठहराते हुए सात साल कड़ी कैद की सजा सुनाई थी. उस पर विवाहित होते हुए एक दूसरी महिला से शादी का वादा कर संबंध बनाने का आरोप था. दोषी की याचिका पर हाईकोर्ट में जस्टिस चैताली चटर्जी (दास) ने फैसला सुनाते हुए निचली अदालत की सजा के आदेश को बरकरार रखा.

इंफाल : मणिपुर के उखरुल जिले में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर कई घरों में आग लगाने के बाद सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए.

आइवीएफ तकनीक से गुजरात में पहली बार शुद्ध गिर नस्ल की बछिया का जन्म

सफलता : सामान्य गाय भी अब देगी शुद्ध गिर बछिया

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
अहमदाबाद,9 फरवरी- गुजरात पशुधन विकास बोर्ड की अमरेली स्थित एम्ब्रियो ट्रांसफर प्रयोगशाला में आईवीएफ तकनीक के माध्यम से राज्य में पहली बार शुद्ध गिर नस्ल की बछिया का जन्म हुआ है, यानी अब इस तकनीक से कम दूध देने वाली गाय से भी शुद्ध गिर नस्ल की बछिया का जन्म करवाया जा सकेगा. पिछले वर्ष 13 रेसिपिएंट (सरोगेट) पशुओं में भ्रूण प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू की गई थी. हाल ही में कांकरेज नस्ल की एक गाय ने बछिया को जन्म दिया है.

डोनर पशु के समान उत्कृष्ट गुण पाए.. इस प्रक्रिया में उच्च आनुवंशिक क्षमता वाली गिर गाय से प्राप्त भ्रूण का उपयोग किया गया. जन्मी बछिया में डोनर पशु के समान उत्कृष्ट गुण पाए गए हैं. लैब में उपलब्ध 30 अन्य रेसिपिएंट पशुओं में भी जल्द ही भ्रूण प्रत्यारोपण किया जाएगा. इससे उच्च गुणवत्ता वाली गिर गायों की संख्या तेजी से बढ़ेगी.

एक गाय का 100 बार तक गभार्धान हो सकेगा एक गाय पूरे जीवन काल में केवल 7 से 8 बछड़े -बछड़ियों को जन्म देती है. नई तकनीक से यही संख्या लगभग 100 तक पहुंचाई जा सकती है. आइवीएफ प्रक्रिया में श्रेष्ठ नस्ल की गाय को के अंडाणु लिए जाते हैं. लैब में निषेचन कर तैयार भ्रूण को सामान्य उत्पादकता वाली गाय में प्रत्यारोपित किया जाता है.

अग्न्याशय, लीवर और मांसपेशियां तय करती हैं शुगर की हालत

25 लाख लोगों के जेनेटिक डाटा से खुलासा: टाइप टू-डायबिटीज सिर्फ खून में ग्लूकोज का बढ़ना नहीं

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 9 फरवरी- टाइप टू डायबिटीज को अब तक ज्यादातर खून में शुगर के स्तर से जोड़कर देखा जाता रहा है, लेकिन एक बड़े अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अध्ययन ने इस सोच को पूरी तरह बदल दिया है. दुनिया भर के 25 लाख लोगों के आनुवंशिक आंकड़ों के विश्लेषण से वैज्ञानिकों ने पाया है कि इस बीमारी के अधिकांश जैविक कारण खून में नहीं, बल्कि शरीर के दूसरे अहम अंगों जैसे अग्न्याशय, लिवर, मांसपेशियां और चर्बी वाले ऊतकों में छिपे होते हैं.

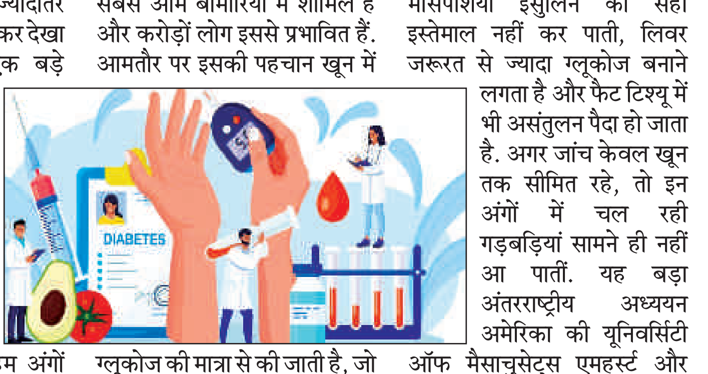

शोध के मुताबिक डायट से जुड़े करीब 85 प्रतिशत महत्वपूर्ण जीन रक्त जांच में दिखाई ही नहीं देते. टाइप-टू डायबिटीज आज दुनिया की सबसे आम बीमारियों में शामिल है और करोड़ों लोग इससे प्रभावित हैं. आमतौर पर इसकी पहचान खून में ग्लूकोज की मात्रा से की जाती है, जो जरूरी तो है, लेकिन बीमारी की पूरी तस्वीर सामने नहीं लाती. नया वैश्विक अध्ययन बताता है कि टाइप टू डायबिटीज सिर्फ खून की समस्या नहीं, बल्कि पूरे शरीर से जुड़ा जटिल विकार है. इस बीमारी में अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता, मांसपेशियां इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाती, लिवर जरूरत से ज्यादा ग्लूकोज बनाने लगता है और फैट टिश्यू में भी असंतुलन पैदा हो जाता है. अगर जांच केवल खून तक सीमित रहे, तो इन अंगों में चल रही गड़बड़ियां सामने ही नहीं आ पातीं. यह बड़ा अंतरराष्ट्रीय अध्ययन अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट और जर्मनी की हेल्महोल्ट्ज म्यूनिख के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया, इसके नतीजे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर मेटाबोलिज्म में प्रकाशित हुए हैं.

25 लाख लोगों के डाटा का विश्लेषण : शोधकर्ताओं ने यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका और पूर्वी एशिया सहित अलग-अलग क्षेत्रों से आए 25 लाख लोगों के जेनेटिक डाटा का विश्लेषण किया. वैज्ञानिकों ने डायबिटीज से जुड़े शरीर के सात अलग-अलग ऊतकों का अध्ययन किया, जिनमें अग्न्याशय, लीवर, मांसपेशियां और चर्बी वाला ऊतक शामिल था, इस प्रक्रिया में टाइप-टू डायबिटीज से जुड़े कुल 676 जीन पहचाने गए. सबसे अहम बात यह रही कि इनमें से केवल करीब 18 प्रतिशत जीन ऐसे थे जो खून में भी नजर आए, यानी लगभग 85 प्रतिशत जरूरी जेनेटिक संकेत रक्त परीक्षण में बिल्कुल दिखाई नहीं देते.

अलग-अलग नस्लों को शामिल करने से खुले राज

इस अध्ययन की एक बड़ी खासियत यह रही कि इसमें अलग-अलग देशों और नस्लों के लोगों को शामिल किया गया. पहले ज्यादातर आनुवंशिक शोध यूरोपीय आबादी तक सीमित रहते थे, लेकिन इस बार अफ्रीकी, एशियाई और अमेरिकी मूल के लोगों का डेटा भी जोड़ा गया. नतीजों से पता चला कि कुछ जीन सभी समुदायों में डायबिटीज से जुड़े पाए गए, जबकि कई ऐसे जोखिम जीन केवल तब सामने आए जब गैर-यूरोपीय आबादी को विश्लेषण में शामिल किया गया, इससे यह स्पष्ट हो गया कि अगर दुनिया की विविध आबादी को शोध जगह नहीं दी जाएगी, तो बीमारी की वास्तविक समझ अधूरी ही रहेगी.

सूर्य पर अभूतपूर्व गतिविधि : दिखीं रिकॉर्ड सौर ज्वालाएं, अंतरिक्ष एजेंसियां हुईं सतर्क

रेडियो संचार, जीपीएस और उपग्रह सेवाओं पर असर की आशंका

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 9 फरवरी- फरवरी माह की शुरूआत के साथ ही सूर्य असाधारण रूप से सक्रिय हो गया है. एक फरवरी से लगातार शक्तिशाली सौर ज्वालाएं दर्ज की जा रही हैं, जिनमें एक्स8.3, एक्स8.1, एक्स4.2 और एक्स 1.5 श्रेणी के फ्लेयर्स शामिल हैं. वैज्ञानिक इन घटनाओं को सौर चक्र 25 के चरम यानी सोलर मैक्सिमम की ओर बढ़ने का स्पष्ट संकेत मान रहे हैं. इन तीव्र सौर गतिविधियों के चलते दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां सतर्क हो गई हैं.

भारत का इसरो और अमेरिका की नासा स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं, क्योंकि इन ज्वालाओं से पृथ्वी के रेडियो संचार, नेविगेशन सिस्टम और उपग्रह सेवाओं पर

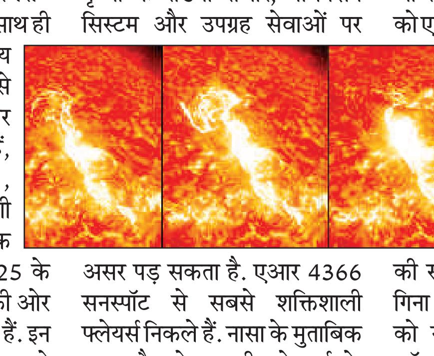

असर पड़ सकता है. एआर 4366 सनस्पॉट से सबसे शक्तिशाली फ्लेयर्स निकले हैं. नासा के मुताबिक एक और दो फरवरी को सूर्य के एआर4366 सनस्पॉट समूह से एक्स8.3 और एक्स8.1 श्रेणी की बेहद शक्तिशाली सौर ज्वालाएं निकलीं, जिन्हें अक्टूबर 2024 के बाद का सबसे बड़ा विस्फोट माना जा रहा है, इसके बाद चार फरवरी को एक्स4.2 श्रेणी का एक और बड़ा फ्लेयर दर्ज किया गया. तीन फरवरी को अमेरिकी समय सुबह 9:08 बजे और चार फरवरी को सुबह 7:13 बजे एक्स 1.5 श्रेणी की तीव्र ज्वालाएं भी रिकॉर्ड की गई, जिन्हें हाल के महीनों की सबसे प्रभावशाली घटनाओं में गिना जा रहा है. इन सभी घटनाओं को नासा की सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी ने कैमरों में कैद किया. 131 और 193 एंगस्ट्रॉम तरंगदैर्घ्य में ली गई तस्वीरों में सूर्य की सतह पर नीले और लाल रंग की तेज चमक साफ दिखाई दी.